साई के उजालो मेरे साई के उजालो

साई के उजालो मेरे साई के उजालो,
आखो में सिमट आउ अंधरों को निकालो,
साई के उजालो मेरे साई के उजालो,

महफ़िल में तेरी आये तो हम एक हुए है,
रस्ते पे तेरे चल के सभी नेक हुए है,
हर पग पे संभाला है तू आगे भी संभालो,
साई के उजालो मेरे साई के उजालो,

बरसो से तुम्हे दिल की नजर घुंड रही है,
जिस घर में छिपे हो वोही घर ढूंढ रही है,
परदो से निकल कर मुझे अंचल में छुपा लो,
साई के उजालो मेरे साई के उजालो,

दुनिया का जब हॉल है इंसान के हाथो,
ऐसा तो न होगा कभी शैतान के हाथो ,
अब चाहो तो आकाश पे धरती को उठा लो,
साई के उजालो मेरे साई के उजालो,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4997/title/sai-ke-ujalo-mere-sai-ke-ujaalo-ankho-me-simat-aau-andhro-ko-nikalo-

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |